आत्मा में आनन्द मनाना

बाबा मुक्तानन्द की सिखावनियाँ

I

तुम्हें खुशी को बार-बार अपने अन्दर खोजना चाहिए। तुम क्या सोचते हो कि अगर अन्तर में आनन्द नहीं मिलेगा, तो क्या तुम उसे बाहर ढूँढ़ पाओगे? क्या बाहर की किसी चीज़ ने तुम्हें कभी आनन्द दिया है? अगर तुम्हें कभी लगा हो कि बाहर की किसी चीज़ ने तुम्हें खुशी दी, तो वह इसलिए कि आनन्द अन्दर से उभराथा।

स्वामी मुक्तानन्द, *Satsang With Baba, Volume* 5 [साउथ फ़ॉल्सबर्ग, न्यूयॉर्क : एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन, १९७८] पृ. ३५८।

© २०१६ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।